

सत्ता सुधार

सुविचार

जीवन में उतार और चढ़ाव की
व्यवस्था ही हमें एक बेहतर भविष्य
की ओर ले जाती है।

जनता के साथ जनता की आवाज

श्रीराम की नगरी में मंदिरों के निर्माण में गुणवत्ता सर्वोपरि



निर्माण की देखरेख में लगे दायित्वधारी श्रम और ऊर्जा के साथ जुटे

► बीमार हुए रामलला के दर्शनार्थी तो तत्काल मिलेगा उपचार

► मरीजों को एक्सरे, ईसीजी व अल्ट्रासाउंड की सुविधा मिलेगी

सत्ता सुधार ■ अयोध्या

श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में श्रीरामलला के विराजमान होने की वर्ष भर का समय पूर्णता की ओर है। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने प्रतिष्ठित द्वादशी समारोह पूर्वक मनाने की योजना तैयार की है। इसी के अनुसार मंदिर निर्माण के शेष कार्य में तेजी आई है। परकोटे में निर्माणाधीन शिव मंदिर, सूर्य मंदिर, दुर्गा माता मंदिर, गणेश मंदिर, अन्नपूर्णा मंदिर और हनुमान मंदिर में से कुछ का स्पष्ट स्वरूप उभर आया है। शेष में निर्माण कार्य तेजी पर है। यही स्थिति मंदिर के शिखर निर्माण की है। निर्माण की प्रगति स्पष्ट परिलक्षित होने लगी है।

खुल रहा आधुनिक चिकित्सा केंद्र

इधर, श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट रामलला के दर्शनार्थियों के लिए निरंतर सुविधाएं विकसित कर रहा है। रामलला के दर्शनार्थी अगर राम जन्मभूमि परिसर में बीमार हुए तो उन्हें तत्काल इलाज मिलेगा। तीर्थ यात्री सुविधा केंद्र में आधुनिक चिकित्सीय सुविधाओं से युक्त अस्पताल जल्द ही खुलने जा रहा है। यह अस्पताल अपोलो संस्थान की ओर से खोला जाएगा। अपोलो के विशेषज्ञ चिकित्सक यहां सेवाएं देंगे। इसीजी, एक्स-रे से लेकर अल्ट्रासाउंड तक की सुविधा यहां मिल सकेगी।

निर्माण कार्य की देखरेख में लगे दायित्वधारी श्रम और ऊर्जा के साथ जुटे हैं। वे कहते हैं कि समय का दबाव तो है ही लेकिन गुणवत्ता का ध्यान सर्वोपरि है। शीघ्र ही सुखद परिणाम दिखाई देगा। मंदिरों के निर्माण में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जा रहा है।

इसी तरह राम मंदिर के शिखर का निर्माण भी तेज गति से किया जा रहा है। 22 जनवरी 2024 को अयोध्या में भगवान श्रीराम के मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा की गई थी। इस वर्ष भी 22 जनवरी को

विशेष आयोजन की तैयारी है। राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र समय-समय पर परिसर का निरीक्षण कर निर्माण की गति को देखते रहते हैं। श्रीराम जन्मभूमि परिसर में कई भव्य मंदिरों का निर्माण किया जा रहा है। अयोध्या को हिंदू धर्म की प्रमुख नगरी के रूप में विकसित किया जा रहा है। बीती 22 जनवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा की थी। वो छवि आज भी लोगों के मन में अंकित है।

■ मंदिर प्रबंधन बोला-शीघ्र ही भवतों को दिखेगा सुखद परिणाम

■ शिव मंदिर व अन्य निर्माणाधीन अन्य मंदिरों की तस्वीर जारी

प्राण प्रतिष्ठा के दिन 22 जनवरी को विशेष आयोजन की तैयारी

अपोलो संस्थान से हुआ अनुबंध

श्रीराम जन्मभूमि परिसर में स्थित तीर्थ यात्री सुविधा केंद्र को इमरजेंसी अस्पताल में तब्दील करने का फैसला श्रीरामजन्म भूमि तीर्थ क्षेत्र के बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज ने लिया है। यह अस्पताल अपोलो संस्थान की ओर से खोला जाएगा जिसके लिए तीर्थ क्षेत्र से पहले ही अनुबंध हो चुका है। तीर्थ क्षेत्र ने इस अनुबंध के साथ पीएफसी के ग्राउंड प्लान पर छह हजार वर्ग फिट स्थान खाली कराकर संस्था के सुपुर्द कर दिया था, लेकिन मानक से कम जगह के कारण अस्पताल की शुरुआत अब तक नहीं हो सकी। इसके कारण बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज ने तीन हजार वर्ग मीटर यानि करीब साढ़े दस हजार वर्ग फिट जमीन उपलब्ध कराने का निर्णय लिया।

बीमार भवतों को प्राथमिक उपचार

मंदिर में रोजाना 80 हजार से एक लाख दर्शनार्थी पहुंच रहे हैं। पर्व व त्योहारों पर यह संख्या बढ़ जाती है। आम दर्शनार्थियों को सुग्रीव किला के राम जन्मभूमि पथ से प्रवेश मिलता है। आने-जाने में दर्शनार्थियों में को 1600 मीटर पैदल चलना पड़ता है। कभी-कभी दर्शनार्थी बीमार हो जाते हैं। गर्मी में आए दिन श्रद्धालु गश् खाकर गिरते थे। ऐसी स्थिति में उन्हें एंबुलेंस से प्राथमिक उपचार के लिए श्रीराम अस्पताल पहुंचाना पड़ता था। अब राम जन्मभूमि परिसर में ही स्थित तीर्थ यात्री सुविधा केंद्र में ही दर्शनार्थियों को प्राथमिक उपचार मिल सकेगा।

सावधान! यूपी में 15 फीसदी बढेंगी बिजली दरें... भारी घाटा

एआरआर का मसौदा नियामक आयोग में दाखिल कर दिया



खास: प्रस्ताव में दक्षिणांचल-पूर्वांचल को अलग नहीं किया

निगमों को नहीं किया अलग: वर्मा

सत्ता सुधार ■ लखनऊ

पावर कॉर्पोरेशन ने बिजली निगमों की ओर से 30 नवंबर की शाम वर्ष 2025-26 का वार्षिक राजस्व आवश्यकता (एआरआर) का मसौदा नियामक आयोग में दाखिल कर दिया है। इसमें करीब 12800 से 13 हजार करोड़ का गैप (घाटा) दिखाया गया है। आयोग ने इस मसौदे को स्वीकृति दी तो प्रदेश में बिजली दरें 15 फीसदी बढ़ सकती हैं। विद्युत निगमों की ओर से पेश किए गए मसौदे में वार्षिक राजस्व आवश्यकता यानी बिजली दर का मसौदा करीब एक लाख 16 हजार करोड़ रुपया दिखाया गया है। इसमें 12 हजार 800 करोड़ का गैप दिखाते हुए आयोग से इसकी भरपाई की गुहार लगाई गई है। वर्ष 2025-26 के लिए 16 हजार करोड़ यूनिट बिजली की आवश्यकता बताई गई है। कुल बिजली खरीद की लागत 92 हजार से लेकर 95 हजार करोड़ के बीच है। बिजली कंपनियों की तरफ से आरडीएसएस की वितरण हानियां 13.25 प्रतिशत को ही आधार माना गया है। सभी विद्युत निगमों में वर्ष 2025-26 के लिए आंकलित कुल घाटा 12800 से 13000

उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने आरोप लगाया है कि दाखिल किए गए एआरआर में निगमों पर उपभोक्ताओं का बकाया चल रहे 33122 करोड़ के एवज में बिजली दर में कमी का कोई प्रस्ताव नहीं दिया है। इसी तरह दक्षिणांचल एवं पूर्वांचल को भी अलग नहीं किया है। उपभोक्ता परिषद ने एलान किया कि कॉर्पोरेशन की ओर से गुपचुप प्रस्ताव दाखिल करने के मामले में नियामक आयोग में विरोध प्रस्ताव दाखिल किया जाएगा और आर पर की लड़ाई लड़ी जाएगी। घाटा उपभोक्ताओं पर थोप कर निजी घरानों को उपकृत करने के प्रयास को कामयाब नहीं होने दिया जाएगा।

करोड़ के बीच बताया गया है। प्रस्ताव की घाटे की भरपाई विद्युत नियामक आयोग पर छोड़ दिया गया है। ऐसे में नियामक आयोग इस घाटे को पूरा कराने का फैसला लेता है तो बिजली दर में करीब 15 से 20 फीसदी बढ़ोतरी हो सकती है। खास बात यह है कि इस प्रस्ताव में दक्षिणांचल एवं पूर्वांचल को अलग नहीं किया गया है।

ड्रीफ न्यूज

अकाल तख्त ने सुखबीर बादल को सुनाई सजा

अमृतसर। पंजाब के अमृतसर स्थित गोल्डन टेम्पल में सोमवार को अकाल तख्त साहिब ने डेरा सच्चा सौदा सिरसा के प्रमुख राम रहीम को माफी और बेअदबी के मामले में सुखबीर सिंह बादल को सजा सुनाई है। सुखबीर बादल को एक घंटा बाथरूम साफ करना होगा। फिर लंगर घर में जाकर जूटे बर्तन धोने होंगे। उन्हें इसके बाद कोर्टन सुनना होगा। साथ ही श्री सुखमणि साहिब का पाठ करना होगा।

यूपीएससी कोचिंग पढ़ाने वाले ओझा आप में शामिल

नई दिल्ली। सिर पर गमछ बांधकर यूपीएससी की कोचिंग पढ़ाने वाले ओझा सर ने आप जाँहन कर ली है। केजरीवाल और सोनियर पार्टी लीडर मनीष सिंसोदिया ने अवध ओझा को पार्टी में शामिल किया। ओझा सर ने कहा कि शिक्षा वो दूध है, जो पिपेगा वो दहाड़ेगा।

दिल्ली में अभी प्रदूषण पर पाबंदियां कम नहीं होंगी

नई दिल्ली। दिल्ली में प्रदूषण को लेकर लगी पाबंदियां अभी जारी रहेंगी। सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को जस्टिस अभय ओक और जस्टिस आंगस्टीन जॉर्ज मसौदा की बेंच ने इसे 5 दिसंबर तक बढ़ा दिया। बेंच ने कहा कि अगले तीन दिनों में एयर क्वालिटी इंडेक्स लेवल में गिरावट देखने के बाद ही ग्रेप-4 पाबंदियों में ढील दी जाएगी।

पुतिन को मिला मोदी का न्योता, जल्द आएंगे भारत

मॉस्को। पीएम मोदी का भारत दौर के लिए भेजा न्योता रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को मिल गया है। पुतिन की भारत आने की तारीख 2025 के शुरुआती दिनों की होगी। क्रेमलिन के सहयोगी यूरी उशाकोव ने बताया कि संभावित तारीखों की जानकारी में दे दी जाएगी। यूरी ने कहा कि पुतिन और मोदी ने एक समझौता किया है कि वह साल में एक बार मुलाकात जरूर करेंगे। इस बार पुतिन को भारत दौर पर आने की बारी है।

सीता-रूपाणी की मौजूदगी में चुना जाएगा महाराष्ट्र का सीएम

एजेंसी ■ नई दिल्ली

भाजपा ने महाराष्ट्र के लिए पर्यवेक्षकों के नाम का एलान कर दिया है। पार्टी ने केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपानी को केन्द्रीय पर्यवेक्षक नियुक्त किया है। पार्टी की ओर से सोमवार को जारी एक बयान में यह घोषणा की गई। इनकी मौजूदगी में ही पार्टी विधायक दल के नेता का चयन होगा। इस बात की प्रबल संभावना है कि वह ही महाराष्ट्र का अगला मुख्यमंत्री होगा। भाजपा महासचिव अरुण सिंह की ओर से जारी एक बयान में कहा



गया कि पार्टी के संसदीय बोर्ड ने महाराष्ट्र में पार्टी विधायक दल के नेता के चुनाव के लिए विजय रूपानी और निर्मला सीतारमण को केन्द्रीय पर्यवेक्षक नियुक्त किया है। जो भी विधायक दल का नेता चुना जाएगा, उनका राज्य का अगला

खींचतान के बीच भाजपा पर्यवेक्षकों के नाम का एलान

कल विधायक दल की बैठक

भाजपा ने घोषणा की है कि नई महायुति सरकार का शपथ ग्रहण समारोह पांच दिसंबर की शाम दक्षिण मुंबई के आजाद मैदान में होगा और पीएम नरेंद्र मोदी इसमें शामिल होंगे। चार दिसंबर को पार्टी विधायक दल की बैठक हो सकती है।

मुख्यमंत्री बनना तय हो जाएगा। हालांकि, इसे लेकर भाजपा ने चुप्पी साध रखी है, लेकिन माना जा रहा है कि इस दौर में पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस सबसे आगे हैं।

मध्यप्रदेश-राजस्थान के 20 जिलों में पारा 10 डिग्री से कम

गुवालिपर-चंबल, उज्जैन में शीतलहर का अनुमान

मध्य प्रदेश में फेंगल तूफान का असर, होगी बारिश

राजस्थान के माउंट आबू में पारा 7.2 दर्ज किया गया

सत्ता सुधार ■ भोपाल/नई दिल्ली

पहाड़ों पर हो रही बर्फबारी से मध्यप्रदेश, उत्तर प्रदेश, राजस्थान के कई जिलों में ठंड बढ़ गई है। मध्यप्रदेश के 10, राजस्थान के 8,



उत्तर प्रदेश के 2, छत्तीसगढ़ के 2 शहरों में पारा 10 डिग्री से कम रिकॉर्ड किया गया। कश्मीर के मारवाह, किश्तवाड़ और बादवान में सीजन की पहली बर्फबारी हुई।

कश्मीर के किश्तवाड़ में सीजन की पहली बर्फबारी

केन्द्रीय मौसम विभाग के मुताबिक अगले 24 घंटों में हिमाचल के किश्तवाड़, कुल्लू, लाहौल स्पीति, कांगड़ा और चंबा में बर्फबारी हो सकती है। इधर, दक्षिण भारत में कर्नाटक, केरल और तमिलनाडु में फेंगल तूफान के असर के चलते आज भी भारी बारिश हो रही है। मौसम विशेषज्ञ एक शुक्ला ने बताया कि 24 साल बाद दिसंबर की शुरुआत ऐसी कड़क की ठंड से हुई है। 3-4 दिसंबर को बारिश और कड़क की ठंड का दौर शुरू हो सकता है।

आईपीएस हर्षवर्धन की पोस्टिंग से पहले मौत

मप्र से एएसपी का चार्ज लेने जा रहे थे कर्नाटक

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शोक जताया

सत्ता सुधार ■ सिंगरौली

मध्य प्रदेश के सिंगरौली जिले में पदस्थ एक एसडीएम के आईपीएस बेटे हर्षवर्धन सिंह की रविवार देर शाम सड़क हादसे में मौत हो गई। एसडीएम अखिलेश सिंह के बेटे का प्रशिक्षण हाल ही में पूरा हुआ था। उनकी पहली पोस्टिंग कर्नाटक के



हासन में हुई थी, जहां ज्वॉइनिंग के लिए ही वो कार से जा रहे थे, लेकिन रास्ते में कार के दुर्घटनाग्रस्त होने की वजह से उनकी मौत हो गई। घटना की सूचना पाकर सिंगरौली एसडीएम हासन भी मौके पर पहुंच गए। हर्षवर्धन सिंह का यूपीएससी

इनका कहना है

आईपीएस हर्ष वर्धन सिंह का सड़क दुर्घटना में असायिक निधन का समाचार अत्यंत ही दुःखद है। भारतीय पुलिस सेवा के एक युवा अफसर का इस तरह वले जाना निश्चित ही राष्ट्र के लिए क्षति है। शोकाकुल परिवारजनों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं।

—मोहन यादव, सीएम के माध्यम से आईपीएस के लिए चयन हुआ था। वे 2023 बैच के आईपीएस रहे। हाल ही में उनकी चार सप्ताह की ट्रेनिंग पूरी हुई थी।

इंडिया गठबंधन की बैठक से ममता की टीएमसी का किनारा

नई दिल्ली। संसद के शीतकालीन सत्र में लगतार पांचवें दिन भी हंगामा हुआ। विपक्ष ने अडाणी और संभल मुद्दा उठाया। विपक्ष ने वी वॉन्ट जस्टिस के नारे लगाए। लोकसभा में सिर्फ 14 मिनट और राज्यसभा में 15 मिनट ही कार्यवाही चली। इससे पहले चार दिनों के अंदर चार बैठकों में दोनों सदनों में कुल 40 मिनट ही कार्यवाही हो सकी थी। बैठक से पहले इंडिया ब्लाॉक के नेताओं ने राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे से मुलाकात की। इसमें लोकसभा के विपक्ष के नेता राहुल गांधी भी शामिल हुए। हालांकि टीएमसी सांसद नहीं आए।

मोदी ने केन्द्रीय मंत्रियों संग देखी 'द साबरमती रिपोर्ट'



प्रीएम 13-14 दिसंबर को दोनों सदनों को संबोधित करेंगे

विक्रान्त ने एक्टिंग से संन्यास लेने की घोषणा की नई दिल्ली। विक्रान्त मैसी अभिनीत द साबरमती रिपोर्ट हाल ही में संसद सभागार में प्रदर्शित की गई, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केन्द्रीय मंत्रियों और सांसदों सहित दिग्गज हस्तियों ने भाग लिया। इस दौरान अभिनेता मैसी भी मौजूद थे। फिल्म की स्क्रीनिंग शाम 4 बजे संसद परिसर की लाइब्रेरी में हुई। बॉलीवुड अभिनेता विक्रान्त मैसी ने 2 दिसंबर की सुबह एक्टिंग से ब्रेक लेने की घोषणा की। इसकी जानकारी उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर पोस्ट के जरिए दी।

खिलाफत

प्रदर्शनकारी किसान ने कहा- हमारी समस्या का समाधान दिल्ली से निकलेगा

किसानों का दिल्ली कूच, फिर समझौता, राजधानी में महाजाम

किसानों ने धरना जारी रखा, नई दिल्ली में सुरक्षा चाक-चौबंद

उत्तर प्रदेश के किसान एक हफ्ते तक दिल्ली मार्च नहीं करेंगे

एजेंसी ■ नई दिल्ली

उत्तर प्रदेश के किसान अपनी विभिन्न मांगों को लेकर सोमवार को दिल्ली कूच कर दिया। दिल्ली बॉर्डर पर सुरक्षाबलों की भारी तैनाती की गई थी। डीएनडी फ्लॉइव और चिल्ला बॉर्डर पर यातायात बाधित हुआ। रूट डायवर्जन



और पुलिस चेकिंग के कारण सेक्टर 15ए से दिल्ली और कालिंदी कुंज से दिल्ली जाने वाले मार्गों पर लंबी कतारें लग गईं, जिससे लोगों को सुबह से ही भीषण जाम का सामना करना पड़ा। किसानों के आंदोलन के कारण

किसानों की प्रमुख मांग

- किसानों का दावा है कि 10 प्रतिशत आबादी को भूखंड मिलना चाहिए।
- भूमि अधिग्रहण के तहत 64.7 प्रतिशत अधिक मुआवजा दिया जाए।
- भूमि अधिग्रहण कानून के तहत बाजार दर का चार गुना मुआवजा मिले।
- किसानों और उनके बच्चों को 20 फीसदी प्लॉट, रोजगार के अवसर मिले।
- भूमिधर और भूमिहीनों के बच्चों को पुनर्वास, आबादियों का निस्तारण हो।

नोएडा सेक्टर 15ए से चिल्ला बॉर्डर की ओर जाने वाले ट्रैफिक में भारी जाम की स्थिति रही। ट्रैफिक को डायवर्ट कर दिया गया है और चिल्ला रेड लाइट को सिग्नल फ्री कर दिया गया है। हालांकि यूपी के किसान दिल्ली कूच एक हफ्ते तक नहीं

करेंगे। यह फैसला देर शाम किसान नेताओं की ग्रेटर नोएडा, नोएडा और यमुना प्राधिकरण के अधिकारियों के साथ हुई बैठक के बाद लिया गया। इसके बाद नोएडा एक्सप्रेस-वे से बैरिकेडिंग हटा दी गई और आवाजाही शुरू हो गई है।

अगले महीने होगा 26 राफेल मरीन का सौदा

पूरी। नेवी चीफ एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी ने सोमवार को बताया कि फ्रांस के साथ नेवी वैरिएंट वाले 26 राफेल-रू (मरीन) की डील फाइनल होने वाली है। इसके साथ ही 3 स्कॉपीन सबमरीन की डील पर भी बातचीत लास्ट स्टेज में है। जनवरी 2025 तक डील पक्की होने की संभावना है। नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी ने कहा कि आने वाले 10 सालों में भारतीय नौसेना में 96 जहाज और पनडुब्बियां शामिल की जाएंगी। 62 जहाज और एक सबमरीन अभी अंडर कंस्ट्रक्शन हैं। दिसंबर 2025 तक हर महीने एक जहाज नौसेना के बेड़े में शामिल किया जाएगा। जुलाई 2023 में रक्षा मंत्रालय ने फ्रांस से राफेल-रूजेट विमानों की खरीद को मंजूरी दी थी।

ब्रीफ न्यूज

सफाई कर्मियों का शव फांसी के फंदे पर लटकामिला

ललितपुर। सदर चौकी क्षेत्रांतर्गत मुहल्ला रैदासपुरा पट्टापुरा में एक सफाई कर्मचारी का शव घर के कमरे में साड़ी से फांसी के फंदे से लटका मिला। घटना से क्षेत्र में हड़कप मच गया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। वहीं, परिजनों ने मृतक के प्रेम प्रसंग को लेकर गंभीर आरोप लगाए हैं और इसे आत्महत्या का कारण बताया है। मृतक के परिजनों के अनुसार 21 वर्षीय अजय का एक लड़की से प्रेम प्रसंग चल रहा था। परिजनों का कहना है कि कुछ दिन पहले लड़की के परिवारवालों ने अजय की दीवाली पर घर बुलाकर उसकी मारपीट की थी और फिर 21 नवंबर को भी मोहल्ले में मारपीट की घटना हुई थी। इसी के बाद से अजय मानसिक तनाव में था और उसने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। रैदासपुरा पट्टापुरा निवासी अजय नगर पालिका परिषद में सफाई कर्मचारी के रूप में काम करता था। रविवार रात को वह खाना खाकर अपने कमरे में सोने चला गया था। सोमवार सुबह, जब उसकी बहन उसे द्यूटी पर जाने के लिए जगाने आईं, तो उसने देखा कि कमरे का दरवाजा अंदर से बंद था। खिड़की से देखा तो अजय छत के कुंदे से साड़ी से लटका हुआ था।

झा समाज की बैठक सम्पन्न

ललितपुर। हाई-वे स्थित एक प्रतिष्ठान पर झा समाज द्वारा सुन्दर क्राण्ड का पाठ और प्रसाद वितरण किया गया। तदोपरान्त समाज की आयोजित बैठक में समाज के वरिष्ठ लोगों द्वारा समाज के संगठन एवं समाज के विकास के सम्बन्ध में जोर दिया। कहा गया कि समाज के कुछ लोगों द्वारा चुनाव की प्रक्रिया चलायी जा रही थी, जिसे समाज द्वारा रोक दिया गया। विचार कि समाज का चुनाव बिना जिला स्तरीय बैठक के कोई समिति का गठन न किया जाए। इस दौरान लखनलाल झा, महेंद्र झा, डा. हरिदास झा, रामरतन झा, डा.हरिचन्द्र, प्रगतीलाल, अवेश झा, रामनरेश झा, ओमप्रकाश, नरेन्द्र, विनोद, राहुल बाबा के अलावा अन्य सजातीय बंधु मौजूद रहे।

राखपंचमपुर श्रीसिद्ध बाबा मन्दिर पर भण्डारा हुआ सम्पन्न

ललितपुर। राखपंचमपुर में स्थित श्रीश्री 1008 श्री सिद्ध बाबा मन्दिर पर राखपंचमपुर लेखपाल ब्रजकिशोर गुप्ता व देवेन्द्र राय की पं.सुशील कुमार शुक्ला ने व पं.रवि कौशिक ने बड़े ही विधि विधान व मन्त्रोच्चार के बीच सभी श्रद्धालुओं को भगवान सत्यनारायण की कथा सुनाई व श्री सिद्ध बाबा मन्दिर पर पूजा अर्चना कर हवन पूजन का भी कार्यक्रम सम्पन्न कराया। भगवान की गाजे बाजे के साथ भव्य आरती की गई। इसके बाद सभी श्रद्धालुओं को भगवान सत्यनारायण की कथा का प्रसाद वितरण किया गया। दोपहर लगभग दो बजे से श्रीश्री 1008 श्री सिद्ध बाबा मन्दिर पर भव्य भण्डारे का कार्यक्रम शुरू किया गया। भण्डारे के आयोजन का कार्यक्रम श्रीश्री 1008 श्रीसिद्ध बाबा मन्दिर समिति द्वारा किया गया जिसमें सर्व प्रथम कन्याओं को श्रीसिद्ध बाबा का प्रसाद ग्रहण कराया गया।

सत्ता सुधार

सोमवार की सुबह राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित औद्योगिक आस्थान चन्देरा के सामने बने कट से बस को मोड़ते समय तेज गति से भाग रहे ट्रक ने बस को जोरदार टक्कर मार दी। इस घटना में बस सवार करीब तीन दर्जन से अधिक सवारियां घायल हो गयीं। घटना होते ही सवारियों में चीख-पुकार मच गयी। सूचना मिलने के बाद क्षेत्राधिकारी सदर अभय नारायण राय व उप जिलाधिकारी सदर चन्द्रभूषण प्रताप ने मौके पर पहुंच कर स्थिति को संभाला, तो वहीं स्थानीय पुलिस ने राहगीरों की मदद से घायलों को उपचार के लिए जिला अस्पताल पहुंचाया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद दो सवारियों की हालत गंभीर बतायी जा रही है, जिन्हें तत्काल झांसी

मेडीकल कॉलेज रेफर किया गया है।

राय बस सर्विस की बस संख्या यू.पी.93 सी.टी. 9055 सुबह 6.30 बजे ललितपुर बस स्टैण्ड से करीब 40 सवारियां लेकर टीकमगढ़ होते हुये मऊरानीपुर के लिए निकली थी। यह बस पुराना शाही रोड से हाई-वे पर पहुंच कर सागर की ओर जाने वाले मार्ग पर पहुंचने के लिए मुड़ रही थी। इसी बीच तेज गति से भाग रहे ट्रक ने बस को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भौषण थी कि बस एक तरफ से पलट गयी और बस में बैठे सवारियों में चीख-पुकार मच गयी। बस के चालक मध्य प्रदेश के जिला टीकमगढ़ अन्तर्गत थाना जतारा के ग्राम हरपुरा निवासी रमेश प्रजापति के अलावा करीब 34 सवारियां गंभीर रूप से



घायल हो गयीं। इस दुर्घटना में ललितपुर के मोहल्ला खिरकापुरा निवासी सुनील पुत्र एराज कुशवाहा (30), महारौनी निवासी मुकेश पुत्र रौशन (45), सिविल लाइन

ललितपुर निवासी अभिषेक कटारे पुत्र जगदीश नारायण कटारे (30), झांसी के चाणक्यपुरम निवासी पंकज जैन पुत्र

बाबूलाल (51), महारौनी निवासी महेंद्र कुमार पुत्र बसोरे (55), रायबरेली जनपद की ऊंचाहार निवासी उपमा श्रीवास्तव पत्नी राकेश कुमार (49), इटावा जनपद निवासी संजीव पुत्र जगदीश प्रसाद (44), महारौनी के टेनागा निवासी राजाराम पुत्र धनीराम (25), चौकी दिगवार निवासी ज्ञानबाई पत्नी शिवराज (50), महारौनी के ग्राम दिगवार निवासी सोना पत्नी मुकुन्द (45), महारौनी के कोरवास निवासी श्रीमती सुगर पत्नी कमतू (60), कोरवास निवासी ममता पत्नी रामदास (40), ग्राम गुद्ध-बुजुर्ग निवासी रजनी

पत्नी बलराम (30), टेनागा गांव निवासी हरकुंवर पत्नी रमेश (56), झांसी के पटौरिया निवासी पंकज जैन पुत्र बाबूलाल, सतवांसा मडवार निवासी प्रकाश पुत्र पजन लाल, मैनपुरी जिले के कस्बा निवासी सतेन्द्र पुत्र रामभरोसे (32), ललितपुर के आजुदपुरा निवासी सुरेन्द्र कुमार पुत्र हकुमचंद्र (58), जिला छतरपुर के थाना बमरोल ग्राम दलीपुर टपेरियन निवासी नन्दू पाल पुत्र धनू पाल (48), दलीपुर निवासी भागवती पत्नी नन्दू पाल (34) के अलावा अन्य लोग घायल बताये गये हैं। अस्पताल में चिकित्सकों ने तत्काल घायलों का उपचार शुरू कर दिया। कई लोगों को अंधरूनी चोटें आयी हैं, जिनकी जांच अस्पताल में की जा रही है।

बुन्देली वॉरियर्स ने पाँवर हिटर को दी शिकस्त

विरौरा सुपर राइजिंग ने हैमर जिम को हराया

प्लेयर ऑफ द मैच वेद तिवारी व देव कुशवाहा बने

सत्ता सुधार

आईपीएल की तर्ज पर निशी क्रिकेट एकेडमी द्वारा स्व.पं.महेश तिवारी मसौरा की स्मृति में द विस्टेरिया गोल्ड कप अंडर 16 क्रिकेट टूर्नामेंट का दूसरे दिन दो मैच मैच जिला स्पोर्ट्स स्टेडियम खेला गये। पहला मैच हैमर जिम और विरौरा सुपर राइजिंग व दूसरा मैच वीर बुन्देली वॉरियर्स और पाँवर हिटर 94 के बीच खेला गया। पहला मैच विरौरा सुपर राइजिंग ने नौ विकेट से हैमर जिम को हराकर लीग मैच में बढ़त हासिल कर ली है। वहीं दूसरा मैच में बुन्देली वॉरियर्स ने पाँवर हिटर करारी शिकस्त दी। पहले मैच में विरौरा सुपर राइजिंग की टीम से बल्लेबाजी करते हुए वेद तिवारी ने 33 गेंद में 51 रन बनाये, जिससे वह प्लेयर ऑफ द मैच बने। वहीं दूसरे मैच में देव कुशवाहा ने 35 बाल में 52 रन जड़ कर प्लेयर ऑफ द मैच का खिताब जीता। आज मैच में अतिथि रोहित जैन प्रधान सिरसी, डी.के.बाबा सिरसी, राजीव जैन



राजू, के.के.साहू, अशोक टोनी, शत्रुघ्न यादव, बृजबिहारी मिश्रा, विकास जैन, कज्जी राजा, बांबी राजा मौजूद रहे। अतिथियों ने खिलाड़ियों का खूब उत्साहवर्धन किया। टॉपस जीतकर हैमर जिम ने बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में 6 विकेट खोकर 153 रन बनाये जिसमें दिशांत कुमार धुआंधार बल्लेबाजी करते मात्र 54 बाल में शानदार 90 रन बनाकर नॉट आउट रहे। योगेश राज ने 16 रन संस्कार चौबे ने 11 रन बनाये अभिसार जैन ने आठ रन दियांश यादव ने मात्र एक रन ही बना सके। कार्तिक जोशी ने तीन रन, वैभव जयसवाल और रिहान खान बिना

कोई रन बनाये पवेलियन वापिस लौट गये। इस तरह अतिरिक्त रनों के हैमर जिम टीम 153 रन तक पहुँच गई। विरौरा सुपर राइजिंग की ओर से गेंदबाजी करते हुए वरुण ने 3 ओवर में 18 रन देकर दो विकेट लिये। विकास कंजर, दीपांशु जागड़ा, अंकुश कंजर ने एक एक विकेट लिये। विरौरा सुपर किंग की ओर से बल्लेबाजी करते हुए वेद तिवारी ने 51, पवन रैकवार 42 रन, विजय कुमार ने रन, अंकुश कंजर 13, आदिश जैन 5 रन, शौर्य सिंह दो रन बनाये। इस तरह 14.4 ओवर में विरौरा सुपर किंग ने 154 रन बनाकर 6 विकेट से लीग मैच जीत लिया। वहीं दूसरा

मैच में पाँवर हिटर 94 के कप्तान अभिनन्दन दीक्षित ने क्षेत्ररक्षण करने का निर्णय लिया। वीर बुन्देली टुट्ट पहले बल्लेबाजी करते हुए 19.2 ओवर में 166 रन बनाकर टीम ऑल आउट हो गई। देव कुशवाहा ने 35 बाल में 52 रन जड़ें योगेश पाठक ने 29 रन बनाये। मोनिश ने 22 रन, उल्फ बुंदेला ने 10 रन, अर्जुन शर्मा ने 3 रन, मयंक लोधी 2 रन, बाकी चार बल्लेबाज बिना खाता खोलें पवेलियन वापिस लौट आये। अतिरिक्त रनों कि संख्या 46 होने कि वजह से 166 रन स्कोर पहुँच गया। पाँवर हिटर 94 कि ओर से गेंदबाजी करते हुए आर्यन खरे, रिहान मंसूरी विनायक पाठक ने अपनी टीम के लिये दो-दो विकेट लिये। लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाँवर हिटर की टीम 7 विकेट खोकर निर्धारित 20 ओवर में 98 रन ही बना सके जिससे 68 रन से बुन्देली वॉरियर्स ने लीग मैच जीत लिया। निर्णायक भूमिका में अभिनव तोमर व आदित्य सेंगर

रहे। स्कोरिंग का भार सिद्धार्थ जैन ने सम्भाला। मैच का आँखों देखा हाल प्रतीक श्रीवास्तव व विभांशु तिवारी ने संयुक्त रूप से सुनाया। आयोजन कमेटी में डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव मोहम्मद नसीम, पवन परमार, रामप्रताप सिंह, रलेश दीक्षित, विजय निरंजन, धर्मेद गोस्वामी, विवेक कौशिक के आलावा अन्य सदस्य मौजूद रहे। मंगलवार का पहला मैच वीर बुन्देली वॉरियर्स और बरदेही सुपर किंग व दूसरा देव स्पोर्ट्स और मनगुवां वॉरियर्स के बीच खेला जयेगा। यह हैं टीम ऑनर

मनगुवां वॉरियर्स से राजकुमार कौशिक, बुन्देलखण्ड वॉरियर्स से पीएस परमार, वीर बुन्देली वॉरियर्स से अरविन्द राजा, पाँवर हिटर 94 से कुमार नुना, विरौरा सुपर राइजिंग से अजय राजा, हैमर जिम राइजर्स से नितिन पुरोहित, देव स्पोर्ट्स से रामेश सेन, बारदेही सुपर किंग से पुष्येंद्र राजा शामिल हैं।

यू.पी. जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन सदर तहसील का हुआ गठन

ललितपुर तहसील संरक्षक बने कन्हैया लाल विश्वकर्मा

सत्ता सुधार

नगर मुख्यालय अमर शहीद गणेश शंकर विद्यार्थी प्रकाश भवन में यू.पी. जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन की एक बैठक का आयोजन किया गया। संगठन की बैठक शिखरचंद्र जैन की अध्यक्षता एवं सुरेश प्रकाश कोते व सुरेंद्र पस्तोर के मुख्य आतिथ्य में आयोजन की गई। अमर शहीद गणेश शंकर विद्यार्थी के चित्र पर माल्यार्पण कर बैठक का शुभारंभ किया गया। बैठक में सभी ने अपना परिचय देते हुए संगठन को एक मजबूत और सक्रिय सदस्यों को संगठन में शामिल करने का निर्णय लिया। यू.पी. जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन जिलाध्यक्ष सूर्यकांत शर्मा ने संगठन को मजबूत करने पर जोर दिया। कहा कि उपजा एक राष्ट्रीय संगठन है, जिसकी समस्त प्रदेश और जिलों में इकाइयां गठित हैं। जिले में



यह संगठन एक विशाल वट वृक्ष की तरह मजबूत और सक्रिय संगठन होगा जो पत्रकारों के हित की हमेशा लड़ई लड़ता रहेगा। इसी क्रम में सुरेश प्रकाश कोते ने पत्रकारों को संगठित रहने की बात कही। इसी क्रम में सुरेंद्र पस्तोर ने कहा कि पत्रकारों का उपीडन नहीं सहा जाएगा। पत्रकारों पर आई विधि का सामना हम सब संगठित रहकर करेंगे। अजय तोमर ने ग्रामीण क्षेत्र के पत्रकार साथियों से जुड़ने का आह्वान किया। वहीं शिखर चंद्र जैन ने पत्रकारों के मान

सम्मान की बात कही उपजा संगठन में हम सभी पत्रकारों को जुड़ना चाहिए। ललितपुर तहसील इकाई के गठन की प्रक्रिया प्रारंभ की गई। जिसमें सर्वसम्मति से ललितपुर तहसील संरक्षक कन्हैयालाल विश्वकर्मा, अध्यक्ष धर्मसिंह कुशवाहा, महामंत्री पद पर चंदन अहिरवार, उपाध्यक्ष पद पर सुधीर मिश्रा, मंत्री पद पर द्वाका प्रसाद रैकवार का चयन किया गया। जिला कार्यकारिणी सहित समस्त पत्रकारों ने नवनिर्वाचित कार्यकारिणी को शुभकामनाएं प्रेषित की।

सदस्यता अभियान के साथ मनाया गया संविधान दिवस

ललितपुर। सदरगुरु कबीर आश्रम कंचन धाम पर कबीर सैनिक सेवार्थी संघ के सदस्यता अभियान का शुभारंभ हुआ एवं संविधान दिवस मनाया गया। सदरगुरु कबीर साहेब आश्रम कंचनधाम ट्रस्ट अध्यक्ष डा.खेमचंद्र वर्मा द्वारा सदस्यता अभियान का शुभारंभ किया गया।

उसके बाद 26 नवम्बर के उपलक्ष्य में भारतरत्न बाबा साहेब डा.आंबेडकर के चित्र पर मल्यार्पण कर संविधान दिवस मनाया गया। ट्रस्ट अध्यक्ष ने युवाओं से समाज से जुड़े रहने का आह्वान किया। मुख्य अतिथि क्षेत्रीय वन अधिकारी अजय कुमार वर्मा ने कहा कि समाज सेवा का कार्य बहुत विस्तृत है और इस क्षेत्र में लगातार काम करने की आवश्यकता है। विशिष्ट अतिथि नव चेतना विस्तार ट्रस्ट के जिला संयोजक दिनेशचंद्र ने कहा कि हमें अपने व्यस्त जीवन में से कुछ समय समाज के लिए निकालना चाहिए।

विरासत व पैमाइश कराने के नाम पर रिश्तत मांगने का आरोप

सत्ता सुधार

दादाजी की विरासत एवं अपने आराजी की पैमाइश कराने के लिए लेखपाल पर युवक ने अवैध सुविधा शुल्क लेने का गंभीर आरोप लगाया है। इसी प्रकरण से जुड़ा एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर जमकर वायरल भी हुआ है। पीड़ित का आरोप है कि जुलाई माह में विरासत व पैमाइश के नाम पर दिये गये रुपये वापस मांगने पर लेखपाल ने उसकी आराजी को विवादित करते हुये दूसरी पार्टी को कब्जा करा दिया और जान से मारने की धमकी देते हुये सके परिवार के खिलाफ मडवार थाने में मुकदमा दर्ज करा दिया। तहसील मडवार अंतर्गत कस्बा निवासी चन्दन सिंह पुत्र प्रभान सिंह लोधी ने जिलाधिकारी को शपथ पत्र देते हुये अवात करार्या कि बीती 18 जुलाई 2024 को वह तहसील मुख्यालय से अपने दादाजी के विरासत एवं



आराजी संख्या 1264 व 1283 की पैमाइश के लिए मडवार में पदस्थ लेखपाल के पास गया। जहां लेखपाल ने उससे विरासत व पैमाइश के नाम पर 40 हजार रुपये की मांग की। पीड़ित ने बताया कि उसने किसी प्रकार व्यवस्था कर लेखपाल को 35 हजार रुपये दे दिये, जब उसने विरासत और पैमाइश करने की बात कही तो लेखपाल ठाक 20 हजार रुपये की

और मांग की, आज तक आराजी की नाप नहीं की गयी। यह भी आरोप है कि लेखपाल ने दूसरी पार्टी को उसकी जमीन पर कब्जा करा दिया। जब पीड़ित ने रुपये वापस मांगे तो आरोप है कि लेखपाल दूसरी पार्टी से सांठगांठ करते हुये मडवार थाने में उसके परिजनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दिया। पीड़ित ने बताया कि लेखपाल को पैसा देने का उसके पास वीडियो क्लिप भी है। उक्त लेखपाल अन्य किसान से पैसे लेने का वीडियो भी वायरल हुआ है। लेकिन लेखपाल के खिलाफ कोई कार्यवाही न होने से वह क्षुब्ध है। पीड़ित ने जिलाधिकारी को दिये शपथ पत्र में लेखपाल से रुपये वापस दिलाने और लेखपाल को निर्लिखित कर सख्त कार्यवाही किये जाने की गुहार लगायी है।

लगातार तीसरी बार बनी चैम्पियन

नेमवि की महिला रस्सा कसी टीम ने किया धमाकेदार प्रदर्शन

सत्ता सुधार

बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय की अंतर्माहाविद्यालयीय महिला रस्साकसी प्रतियोगिता का आयोजन ब्रह्मानंद महाविद्यालय राठ में हुआ। इसमें नेहरू महाविद्यालय की टीम सहित 10 टीमों ने प्रतिभाग किया एवं नेहरू महाविद्यालय की टीम ने फाइनल मुकाबले में मेजबान टीम राठ को हराकर धमाकेदार प्रदर्शन कर लगातार तीसरी बार बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय अंतर् महाविद्यालय प्रतियोगिता की चैम्पियन टीम बनी। इस उपलक्ष्य में विजेता टीम को महाविद्यालय में सम्मानित कर



उत्साहवर्धन किया। नेमवि प्राचार्य प्रो.ओमप्रकाश शास्त्री ने कहा कि विद्यार्थी प्रतियोगिता के माध्यम से स्वस्थ तन एवं स्वस्थ मन के माध्यम से अपनी क्षमता में वृद्धि कर सकते हैं एवं अपने उद्देश्यों को प्राप्त कर सकते हैं। स्वस्थ मस्तिष्क में स्वस्थ मन निवास करता है। यदि

हम स्वस्थ होंगे तो हमारा मस्तिष्क भी स्वस्थ होगा। अर्थशास्त्र विभागाध्यक्ष डा.आशा साहू ने कहा कि अध्ययन के अलावा बुद्धि के विकास के लिए खेल का भी जीवन में अत्याधिक महत्व है। उन्होंने छात्राओं का आह्वान किया कि खेल के मैदान में नियमित

अभ्यास कर शरीर मन तथा बुद्धि को स्वस्थ बनायें। प्रो.अनिल सूर्यवंशी ने बताया कि बताया कि बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय की अंतर् महाविद्यालयीय प्रतियोगिता का आयोजन ब्रह्मानंद महाविद्यालय राठ में किया गया। इसमें नेहरू महाविद्यालय की टीम ने क्राटर

फाइनल में अंतरा हराया एवं सेमी फाइनल में जगतनगर महाविद्यालय उर्दे की टीम को हराया। फाइनल मुकाबले में मेजबान ब्रह्मानंद महाविद्यालय राठ की टीम को हराकर फाइनल मुकाबल जीत लिया और तीसरी बार चैम्पियनशिप प्राप्त की। उन्होंने बताया कि महाविद्यालय की टीम की 12 सदस्यीय छात्रांयें अखिल भारतीय अन्तर्विश्वविद्यालयीय प्रतियोगिता जो तमिलनाडु में आयोजित हो रही है, प्रतियोगिता में प्रतिभाग करेंगी। इस टीम में खुशबू वर्मा, साक्षी बुन्देला, हलीमन खान, राजा बेटी, रानी साहू, दीक्षा, अराधना, रुबी

यादव, सपना, बबोता, कामिनी, आरती, वंदना ने प्रतिभाग किया। इस अवसर पर डा.अनिल सूर्यवंशी, हिमांशु धर द्विवेदी, जितेंद्र कुमार, डा.मनोज कुमार, अनिता, डा.हरिशचंद्र दीक्षित, डा.रामकुमार रिश्रारिया, डा.सुबेदार यादव, डा.ओ.पी.चौधरी, संदीप श्रीवास्तव, डा.शैलेंद्र सिंह चौहान, डा.विनोद वर्मा, डा.रोहित वर्मा, डा.राजीव निरंजन, विवेक पाराशर, फहीम बख्श, अंकित चौबे सहित अभिषेक, रुबी यादव, सपना, सौरभ, प्रिंस शुक्ला, रवि कुशवाहा, हर्दयाल, भरत सिंह,सौरभ आदि उपस्थित रहे।

केन्द्रीय मंत्री से जाखलौन में सीएचसी स्थापना की मांग

ललितपुर। जाखलौन क्षेत्र में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र की स्थापना कराये जाने की मांग को लेकर जिला पंचायत सदस्य अमर सिंह विश्वकर्मा घुटारी ने सर्किट हाऊस पहुंच कर केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, रसायन और उर्वरक राज्यमंत्री अनुप्रिया पटेल को एक पत्र सौंपा है। पत्र में जिला पंचायत सदस्य अमर सिंह विश्वकर्मा ने बताया कि मुख्यालय से 22 किलोमीटर की दूरी पर बसा कस्बा जाखलौन, जिसके चारो ओर 2 दर्जन से अधिक छोटे-छोटे गांव हैं। जाखलौन सहित उक्त सभी छोटे-बड़े गांव की संख्या लाखों से अधिक है, लेकिन जहां इलाज हेतु

कोई अस्पताल नहीं है। इस क्षेत्र के आस-पास कई गांव पव सहरीया बाहुल्य हैं। साथ ही पहाड़ी क्षेत्र में निवास करते हैं, जो कि पूरी तरह से मजदूरी पर आश्रित हैं। लेकिन इलाज के अभाव में हर वर्ष सैकड़ों की संख्या में बीमारी के कारण घटनायें घटित हो जाती हैं। इस सम्बन्ध में जाखलौन विकास समिति एवं ग्राम वासी व क्षेत्र वासी पिछले 10 वर्षों से जाखलौन में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र स्थापना हेतु मांग की जा रही है, जो कि ग्राम में खाली पड़ी जगह स्वास्थ्य केन्द्र बनाने हेतु मिल चुकी है। परन्तु अभी तक स्वास्थ्य केन्द्र की स्थापना नहीं हुई है।

संतरे से पाएं शीतलता

मीठा रस भरा संतरा बच्चों को ही नहीं, बड़ों को भी अच्छा लगता है। इसका वनस्पति नाम चित्तुस ऐतिकुलाता ब्लेको है। यह आरेकासी परिवार का सदस्य है। संतरे का वृक्ष मध्यम आकार का झाड़ीनुमा तथा कांटेदार वृक्ष होता है। यह उष्ण कटिबंधीय वातावरण में उगता है। इसके पत्ते, छोटे, गोल-बेलनाकार तथा छोटे डंठल वाले होते हैं।



यों तो संतरा एक मौसमी फल है, परन्तु यह सारे देश में आसानी से उपलब्ध हो जाता है। इसकी पैदावार नागपुर, असम में सिलहट और उत्तरप्रदेश के पहाड़ी भागों में अधिक होती है। नागपुर का संतरा अपने स्वाद के लिए बहुत प्रसिद्ध है। कृषि वैज्ञानिकों ने इसकी विभिन्न किस्में पैदा करके इसे विभिन्न जलवायु के अनुकूल बना लिया है। संतरा बहुत उपयोगी फल है। गर्मी में तो इसकी उपयोगिता बहुत बढ़ जाती है, क्योंकि इससे उष्णता शांत होती है।

- आयुर्वेद के अनुसार संतरा वातनाशक, तृषाशामक, दाह, ज्वर एवं हृदय विकार को दूर करने वाला होता है। यह मुंह की दुर्गंध दूर करता है। इससे कब्ज भी दूर होती है। इसमें लगभग 87.4 प्रतिशत पानी, 10.5 प्रतिशत कार्बोहाइड्रेट, 0.1 प्रतिशत प्रोटीन और 0.3 प्रतिशत वसा होता है। यह फल विटामिन 'सी' का भंडार होता है।

- गर्मियों में बार-बार प्यास लगने पर पके संतरे का ताजा फाड़ियों को चूसने से प्यास शांत होती है। जी मिचलाने और उल्टी होने पर भी संतरे की ताजा फाड़ियों को चूसना लाभकर होता है। बुखार में जब रोगी को बेचैनी होती है, बार-बार प्यास लगती है, मुंह सूख जाता है तो रोगी को मीठे संतरे की फाड़ियों चूसने को दें। इससे रोगी तृप्त एवं शांत होता है। बुखार एवं खासी में आराम के लिए मीठे संतरे के गुदे में शक्कर या चीनी डालकर गर्म करके रोगी को खिलाएं। परन्तु ध्यान रखें कि संतरा मीठा ही हो, क्योंकि खट्टे संतरे के ज्यादा सेवन से कफ विकार हो जाता है।
- पायरिया के कारण यदि मसूड़े फूल जाएं तथा उनमें सड़न के कारण दुर्गंध व रक्त आने लगे तो रोगी को

प्रतिदिन संतरे का ताजा रस दिया जाना चाहिए। साथ ही संतरे के छिलकों को बारीक पीसकर दंतमंजन में मिला लें, फिर इस मंजन से धीरे-धीरे मसूड़ों की मालिश करें। इससे रोगी को लाभ होगा।

- छोटे शिशुओं को यदि ताजा संतरे का रस थोड़ी मात्रा में नियमित रूप से पिलाया जाए तो उनका शरीर तंदुरुस्त रहता है तथा रक्त शुद्ध रहता है। इससे उनकी हड्डियां मजबूत होती हैं तथा उनका पूर्ण विकास होता है।
- खाज-खुजली होने पर भी संतरे का रस पीने से राहत मिलती है। साथ ही प्रभावित स्थान पर ताजा संतरे का छिलका रगड़ना चाहिए। इसके छिलके से आंखें भी साफ हो जाती हैं।
- गर्भवती महिलाओं को प्रतिदिन संतरे का सेवन करना

संतरे का कच्चा फल

यह हरा होता है, जबकि पकने पर पीला, नारंगी, मीठा एवं रस वाला हो जाता है। फल एक चिकने व सख्त छिलके के अंदर सुरक्षित रहता है। रस और गूदा विभिन्न फाड़ियों के रूप में पतली सी झिल्ली में होता है।

चाहिए, इससे मां तथा गर्भस्थ शिशु दोनों का स्वास्थ्य अच्छा रहता है। गर्भवती महिलाओं को होने वाले वमन तथा अतिसार के लिए संतरे के छिलके के चूर्ण की कुछ मात्रा देकर संतरे का रस पिलाएं।

- यदि शिशुओं के पेट में कृमि हो जाएं तो संतरे के छिलकों को चार कप पानी में चौथाई शेष रहने तक उबाल लें, फिर छान कर उसमें थोड़ी सी हींग मिलाकर एक चम्मच शिशु को नियमित रूप से सुबह-शाम पिलाएं। इससे पेट के कृमि शीघ्र ही नष्ट हो जाएंगे।
- प्रतिदिन प्रातःकाल निराहार एक-दो रसीले संतरे खाने से मंदाग्नि की शिकायत दूर होती है। हृदय तथा छाती की कमजोरी, पेट की गड़बड़ तथा श्वास की बीमारी में संतरे का सेवन लाभ देता है।
- इन्फ्लुएंजा के लिए संतरा रामबाण औषधि है। इन्फ्लुएंजा होने पर लगातार तीन-चार दिन ताजा संतरा खाएं और उबला हुआ टंडा पानी पीएं।

मीठी रहे आवाज

सभी मीठी, स्पष्ट लहजे वाली और मन में गहरे उतर जाने वाली आवाज चाहते हैं। यह आपको मिलती भी है, लेकिन उम्र बढ़ने के साथ इसका असर कम होता जाता है। अगर आप अपनी आवाज पर उम्र का असर नहीं होने देना चाहते, तो ये उपाय अपनाएं।

तरल पेय लेते रहें : इसका मतलब पानी तथा नारियल पानी जैसे कुछ पेय पदार्थों से है। आपकी वोकल कॉर्ड्स हमेशा अपने आस-पास उपस्थित ग्लैंड्स से निकलने वाले लार जैसे पदार्थ से चिकनी बनी रहती हैं। इस चिकनेपन को बनाए रखने के लिए शरीर को पर्याप्त नम बनाए रखने की जरूरत होती है। तो बस गला तर करते रहिए।

चटपटा खाना खतरनाक : बहुत ज्यादा मसालेदार, चटपटा तथा चर्बीयुक्त भोजन भी गले के लिए खतरनाक हो सकता है। पेट में होने वाली गड़बड़ियों के फलस्वरूप

एसिड रिफ्लक्स जैसी दिक्कत पनप सकती है। इससे गला बार-बार चोक होता है व आवाज पर असर पड़ता है।

रोजाना करें खूब बक-बक : रोजाना कुछ देर की गई बातचीत वोकल कॉर्ड्स को एक तरह की कसरत करवाती है और इन्हें लंबे समय तक जवान बनाए रखती है।

नहाते समय गाना गाएं : शॉवर के नीचे नहाते हुए गाना गाने से आपकी लैरिक्स (कंठ) की मांसपेशियां ताकतवर बनी रहती हैं। साथ ही वॉइस बॉक्स में चिकनापन बना रहता है।

भूल से भी चिल्लाएं मत : इससे वोकल कॉर्ड्स को खुलने-बंद होने में परेशानी होगी। अगर ऐसा बार-बार हुआ तो कॉर्ड्स में नोइयूल्स यानी सेल्यूलोज जैसा जमाव हो सकता है। इससे कंठ की मांसपेशियां जल्दी थकेंगी और आराम की स्थिति में नहीं रहेंगी।

ठीक से खड़े रहें : थके और ढीले तरीके से खड़े रहने-बैठने से भी आवाज पर असर पड़ता है। इसके कारण पूरी वोकल ट्रेक्ट बदल जाती है।

शराब और सिगरेट को कहे बाय : धूम्रपान के कारण लैरिक्स की कुदरती नमी सूख जाती है और वोकल कॉर्ड्स का काम करना बंद हो सकता है, वहीं निकोटिन जैसे पदार्थ गैस्ट्रिक रिफ्लक्स भी पैदा करते हैं। धूम्रपान से पैदा होने वाली गरमी वोकल कॉर्ड्स पर धक्का देती है, जो नुकसानदायक है। इसी तरह अल्कोहल गले में मौजूद म्यूकस मेम्ब्रेन को खतरनाक बना सकता है।

व्यायाम यहां भी जरूरी : व्यायाम से फेफड़ों की कार्य-क्षमता बढ़ती है। खासतौर पर पेट को मजबूत बनाने वाली एक्सरसाइज कीजिए। इससे गहरी सांस लेने में मदद मिलेगी और आवाज बेहतर बनेगी।

घुप रहिए : इसका मतलब है कि परेशानी के समय थोड़ा विराम भी लें। अगर बहुत ज्यादा सर्दी-खांसी के दौरान भी आप लगातार बोलते रहे तो वोकल कॉर्ड्स को दिक्कत आ सकती है।



अत्यधिक संवेदनशीलता मली भी-बुरी भी

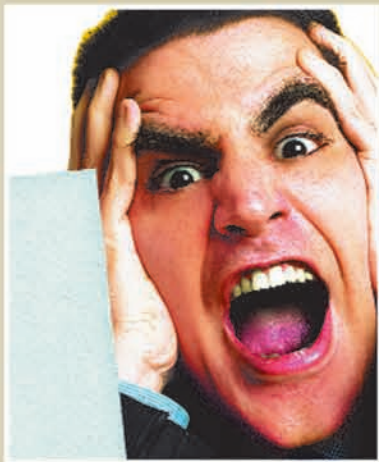
मनोवैज्ञानिक दृष्टिकोण से अत्यधिक संवेदनशीलता मानसिक व्याधि की परिधि में नहीं आती है, लेकिन किसी भी माहौल में आपकी प्रतिक्रिया देने के तरीके से आपके जीवन की क्वालिटी पर निश्चित ही असर पड़ता है। दरअसल, संवेदनशील लोगों के बारे में एक बात अवश्य रोचक रहती है कि इन लोगों में से लगभग कोई भी 'संवेदनाहीन' नहीं होता है। यह और बात है कि विभिन्न इंसानों में इसकी सीमाएं अलग-अलग होती हैं।

क्या हैं सकारात्मक पहलू

विशेषज्ञों की मानें तो, अत्यधिक संवेदनशील लोगों की कार्यशीली सामान्य लोगों से हटकर थोड़ी उम्दा होती है। फिर चाहे ड्रेसिंग सेंस हो, भोजन पकाना हो, संगीत का शौक हो या फिर लोगों से बातचीत का लिहाजा हो। ऐसे लोग किसी भी काम को हल्के तौर पर नहीं लेते। वे कोई भी कार्य काफी तल्लीनता से करते हैं। अपने भीतरी छिपे भावनात्मक पक्ष के प्रति काफी सचेत होते हैं। इसीलिए वे किसी भी रचनात्मक कार्य को बेहद खूबसूरत अंदाज में शकल देते हैं। आपको कई एक्टर, डायरेक्टर, राइटर और पेंटर ऐसे मिलेंगे, जो बेहद संवेदनशील होंगे। यही वजह है कि एक अच्छा टीचर, मैनेजर या थैरेपिस्ट बनने के लिए संवेदनशील होना अच्छा माना जाता है।

कैसे स्थितियों को संभालें

अपनी संवेदनशीलता को रचनात्मक कार्यों के लिए सहेज कर रखें। मनोवैज्ञानिकों के अनुसार अपने इमोशंस पर कंट्रोल करना सीखने से आपकी मुश्किलें आसान हो सकती हैं। बेहतर होगा कि आप बेवजह किसी के कमेंट्स को गंभीरता से न लें। आमतौर पर ओवर सेंसिटिव लोग तब टगा से महसूस करने लगते हैं, जब उन्हें लगता है कि उन्हें 'अनुचित तरीके' से



कोई बात कही गई है। ऐसी स्थिति में आप इस तरह से सोच सकते हैं कि जिसकी बातों से आप अपने आप को टगा सा महसूस कर रहे हैं। हो सकता है कि वह प्रतिकूल स्थितियों में हो या फिर उसने सोच-समझकर कुछ न कहा हो।

उच्च आत्मविश्वास का दरकार

संवेदनशील होने से बचने के लिए आपको अपने आत्मविश्वास में उत्तरोत्तर सुधार करने की आवश्यकता होती है, लेकिन मनोवैज्ञानिकों का कहना है कि रातों-रात यह पेचीदा कार्य संभव नहीं हो सकता, लेकिन निरंतर इसके अभ्यास से आप ऐसा कर सकते हैं। अगली बार जब किसी का कमेंट खराब लगे, तो रोने या उदास होने की बजाय उसे सरलता से हेंडल करें और उसी उधेड़बुन में न उलझकर सकारात्मक दृष्टिकोण रखें। किसी भी बात को स्वयं के ऊपर न लें। यदि आप वाकई प्रसन्नचित रहना चाहते हैं, तो हमेशा सकारात्मक बातों पर तवज्जी देने की आदत डालें। अपना आकलन खुद करें और इसका अधिकार किसी और को न दें। अगर आप अपने विचारों में बदलाव लाएंगे, तो खुद - ब - खुद पॉजिटिव फीडबैक मिलने शुरू हो जाएंगे।

प्रोफेसर कामन के मुताबिक, हर काम में परफेक्शन की तलाश भी सही नहीं है। इसके चक्कर में ढेर सारी मेहनत के बाद भी जब लाइफ में सब कुछ मनवाहा नहीं होता, तब आप निराशा का अनुभव करते हैं और सबसे अंत में अपने 'संवेदनशीलता' के टैग पर खराब महसूस करने की जरूरत नहीं है, क्योंकि यह विशेषता यह भी सिद्ध करती है कि आपको दूसरों की फीलिंग्स की कद है।

सरल जीवनयापन स्वस्थ रहने का सर्वोत्तम साधन

व्यवस्थित जीवन पद्धति

हमारे पुरखों के दीर्घकालिक और स्वस्थ जीवन का यही रहस्य था कि वे व्यवस्थित जीवन व्यतीत करते थे। जिनका जीवन व्यवस्थित नहीं होता, वे विभिन्न व्याधियों से ग्रस्त रहते हैं।

व्यायाम और प्रातःकालीन भ्रमण

प्रातः भ्रमण से शरीर को शुद्ध वायु का लाभ प्राप्त होता है तथा व्यायाम प्राणायाम, योगासन आदि से शरीर स्वस्थ रहता है।

स्नान-ध्यान

स्नान से तन-मन दोनों शुद्ध हो जाते हैं तथा हमारे शरीर में स्फूर्ति

आशावादी दृष्टिकोण

स्वस्थ रहने के लिए सदैव आशावादी दृष्टिकोण होना चाहिए। नकारात्मक विचारों को मन में न लाएं और सदा प्रसन्नचित रहें। जो होना होगा, वह तो होगा ही। हम व्यर्थ ही उसके लिए परेशान क्यों हो?

आ जाती है। स्नान के पश्चात परमात्मा का ध्यान अवश्य करें। जिसने हमें इतनी बड़ी प्रकृति प्रदान की है।

सात्विक आहार

स्वस्थ रहने के लिए शुद्ध सात्विक आहार (शाकाहार) अत्यन्त आवश्यक है। तामसिक तत्वों का त्याग जैसे काफी तम्बाकू, गुटखा, पान-मसाला आदि तामसिक पदार्थ जो विभिन्न घातक रोगों को जन्म देते हैं। अतः तामसिक तत्वों का त्याग करें और बुरे व्यसनो से बचें।

कलह व तनाव से दूरी बेहतर

स्वस्थ रहने के लिए आवश्यक है कि हम कलह और तनाव से दूर रहें। व्यर्थ की चिन्ता से कोई हल नहीं निकलता।

संयमित जीवन

स्वस्थ जीवन चाहते हैं तो संयमित जीवन पद्धति अपनाइयें। जीवन में यौन आवश्यक है, किन्तु उसकी अति घातक है। अतः संयम बरतें।

सहज और सरल रहें

आज हमारे जीवन में अस्थिरता इसलिए बढ़ रही है कि हमारे जीवन में बनावट ही बनावट है। हमें सहज और सादगीपूर्ण जीवन की ओर प्रवृत्त होना होगा।

मृदुभाषी बनें

कम बोलने वाला और मीठा बोलने वाला व्यक्ति सदा सुखी रहता है, जबकि वाचाल व्यक्ति व्यर्थ ही बेकार की बातों में उलझ कर परेशानी मोल ले लेता है।

एक समय ऐसा था, जब लोग सादे जीवन और उच्च विचारों में विश्वास रखते थे। उनका जीवन जितना सादा होता था, भोजन भी उतना ही सादा। आज भी उन्हीं के जीवन पर आधारित कुछ मूलमंत्र हैं, जिन्हें हम अपना कर सेहतमंद जीवन बिता सकते हैं।





शाहरुख को सबसे बड़ा आउटसाइडर मानते हैं अभिषेक बनर्जी

अभिनेता अभिषेक बनर्जी एक आउटसाइडर हैं, उनका कोई बॉलीवुड कनेक्शन नहीं रहा। इसके बावजूद वह अपने लिए अलग पहचान बनाने में कामयाब रहे। उनका मानना है कि ऐसा हर कोई कर सकता है। इसमें किसी तरह का नेपोटिज्म आड़े नहीं आता है। उन्होंने शाहरुख का उदाहरण दिया और बताया कि किंग खान एक आउटसाइडर थे, इसके बावजूद उन्होंने इतना बड़ा मुकाम बॉलीवुड में बनाया।

शाहरुख से सीखना चाहिए

अभिषेक बनर्जी एक इंटरव्यू में कहते हैं कि सिर्फ बॉलीवुड ही नहीं बल्कि हर क्षेत्र में भाई-भतीजावाद यानी नेपोटिज्म मौजूद है। उन्होंने उदाहरण के तौर पर शाहरुख खान का हवाला दिया। साथ ही इस बात पर जोर दिया कि शाहरुख ने इतनी बड़ी सफलता हासिल की है। वह कहते हैं कि आखिरकार बॉलीवुड भी एक बिजनेस है। इन दिनों जहां भी अभिषेक बनर्जी जाते हैं, सब उनको स्त्री 2 के किरदार जना से पहचानते हैं। वह दर्शकों के बीच एक अलग पहचान बनाने में कामयाब रहे हैं। इस सफलता से वह काफी खुश हैं। अभिषेक बनर्जी आगे भी अलग और खास तरह के किरदार करना चाहते हैं।

स्त्री 3 का भी हो सकते हैं हिस्सा
जिस तरह से अभिषेक बनर्जी फिल्म स्त्री 2 के कारण खूब पॉपुलर हुए। इससे अंदाजा लगाया जा रहा है कि वह अगली स्त्री सीरीज की फिल्म का हिस्सा भी हो सकते हैं, क्योंकि उनके किरदार के बिना यह फिल्म पूरी नहीं होती है।

दोस्त के किरदार में ज्यादा दिखे
पिछले कुछ समय से अभिषेक बनर्जी जो किरदार कर रहे हैं, उसमें हीरो के दोस्त के रोल ज्यादा रहे। लेकिन ऐसा भी नहीं है कि उन्होंने मुख्य भूमिका नहीं की। कुछ साल पहले आई एक वेब सीरीज पाताल लोक में उन्होंने हथौड़ा त्यागी का किरदार निभाया था। इस किरदार में उन्हें काफी पसंद किया गया।



वेब सीरीज चिट्टा चिट्टा वे से दो साल बाद वापसी कर रही हैं दलजीत कौर

एक्ट्रेस दलजीत कौर दो साल बाद स्क्रीन पर वापसी कर रही हैं। आखिरी बार वह टीवी शो ससुराल गंदा फूल 2 में नजर आई थीं। अब वह जल्द ही वेब सीरीज चिट्टा वे में दिखाई देंगी, जिसमें वह एक ड्रग एडिक्ट का किरदार निभा रही हैं। बातचीत में दलजीत ने अपनी वापसी, नई वेब सीरीज और आने वाले प्रोजेक्ट्स के बारे में खुलकर बात की।

इस रोल के लिए शुरु में थोड़ी हिचकिचाई

मुझे यह रोल तब मिला, जब मेकर्स को एक सिंपल और रियल दिखने वाले चेहरे की जरूरत थी। कहानी पंजाब के छोटे से गांव की है। उन्हें ऐसा चेहरा चाहिए था जो वहां के माहौल में फिट हो सके। भले ही मैं पंजाबी में बहुत फ्लूएंट नहीं हूँ, लेकिन मेरी मम्मा पंजाबी बोलती हैं, जिससे मुझे भाषा को समझने और किरदार को अपनाने में थोड़ी मदद मिली। जब मुझे इस रोल के लिए अप्रोच किया गया, तो शुरुआत में मुझे थोड़ी हिचकिचाहट हुई। कहानी ड्रग्स पर आधारित है और बहुत डार्क और

इमोशनल है। मैंने सोचा कि क्या मैं इतनी स्ट्रॉन्ग और इमोशनल कहानी निभा पाऊंगी। लेकिन मेकर्स ने मुझे पर भरोसा जताया और कहा कि उन्हें एक ऐसा एक्टर चाहिए जो न सिर्फ इमोशनल दिखा सके बल्कि किरदार की मजबूती को भी पर्दे पर उतार सके। इस किरदार में बहुत गहराई है और कहानी सिर्फ उस लड़की के स्ट्रगल की नहीं है, बल्कि उसके साहस और बदलाव की भी है। मुझे खुशी है कि मेकर्स ने मुझे इस किरदार के लिए चुना।



रिद्धि डोगरा ने बताया ट्रोल्स को कैसे हैंडल करती हैं

छोटे पर्दे से अपने करियर का सफर शुरू करने वाली रिद्धि डोगरा को जब ओटीटी पर मौका मिला, तो उन्होंने इस माध्यम में भी अपना दम दिखाया। जवान में शाहरुख खान की मां की भूमिका से चर्चा में आई रिद्धि डोगरा इन दिनों द साबरमती रिपोर्ट की जर्नलिस्ट की भूमिका में दिख रही हैं। यहां वे हमसे कई मुद्दों पर अपनी बेबाक राय रखती हैं।

मैं ज्यादा पॉलिटिकल बातों से बचती हूँ, वो आगे कहती हैं, वैसे भी मैं ज्यादा पॉलिटिकल बातों से बचती हूँ। मगर फिर मेकर्स ने मुझसे कहा कि मैं टीम से आकर मिलूँ और वे फिल्म पर अपनी रिसर्च को लेकर काफी गंभीर थे। उनके पास विषय को लेकर इतनी सामग्री थी कि मुझे अपने सभी सवालों के जवाब मिल गए और मेरी सारी आशंकाएं निर्मूल साबित हुईं। हमारे प्रोफेशन में कन्विकशन और इंटरेशन बहुत मायने रखता है और मेरी समझ में आया कि इनकी नियत सच को सामने लाने की है। इस कहानी को वे जर्नलिस्टिक पॉइंट ऑफ व्यू से दिखाना चाहते थे, जो मुझे बहुत रोचक लगा। एक तरह से मेरी भूमिका कंटालिस्ट की है, जो कहीं न कहीं सिस्टम को रिप्रिजेंट करती है।

जो जलील बातें करता है, उसे ब्लॉक कर देती हूँ

अपने बेबाक और बिदास रवैये के कारण रिद्धि को अक्सर ट्रोल्स का शिकार होना पड़ता है। वे ट्रोल्स को कैसे हैंडल करती हैं, इस पर वे दो टूक कहती हैं, ट्रोल्स को इतनी तवज्जो नहीं दे सकते। अगर हम ऑनलाइन ट्रोल्स को इतनी अहमियत देने लगे, तो हम काम नहीं कर पाएंगे। आज तो ऐसा हो गया है कि सबके हाथ में एक फोन आ गया है और वे उस फोन पर कुछ भी लिख सकते हैं।

हर किसी को अटेंशन चाहिए वो बताती हैं, कितनी बार ऐसा होता भी है कि कोई कमेंट करता है और मैं जब उसे आड़े हाथ लेने की कोशिश करती हूँ, तो वो झट से पलट जाता है और कहने लगता है, अरे हम तो आपके बहुत बड़े फैन हैं। सॉरी मैंने ऐसा कहा, तो आज हर किसी को वो दो मिनट की अटेंशन चाहिए होती है। कभी-कभी जो लोग बहुत ही जलील बातें करते हैं, मैं उन्हें ब्लॉक कर देती हूँ। जब लोग औरत होने के नाते मुझे नीचे दिखाने की कोशिश करती हूँ, तब मुझसे बर्दाश्त नहीं होता। मैं हजारां को ब्लॉक कर चुकी हूँ। हालांकि हमारी निजी जिंदगी पर इनका असर नहीं पड़ना चाहिए, मगर मुझे लगता है, हमें इन्हें एंटरटेन भी नहीं करना चाहिए।

बॉलीवुड में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी से खुश हैं माधुरी

माधुरी दीक्षित ने अपनी अदाकारी से बॉलीवुड में एक अतुलनीय योगदान दिया है। दिग्गज अभिनेत्री का मानना है कि 80 और 90 के दशक के बाद से बॉलीवुड में बहुत कुछ बेहतर हुआ है। माधुरी ने याद किया कि पहले फिल्म सेट पर केवल महिला कलाकार और उनके हेयरड्रेसर ही हुआ करते थे, लेकिन अब हर क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी बढ़ी है।

महिलाओं की बढ़ी भागीदारी
अभिनेत्री ने एक साक्षात्कार में बताया, महिलाओं ने एक लंबा सफर तय किया है, यह छोटे-छोटे कदम हैं। जब मैं 80 और 90 के दशक में काम करती थी, तो सेट पर केवल मैं, मेरी सह-कलाकार जो महिलाएं होती थीं या हेयरड्रेसर होती थीं। आज, जब मैं किसी सेट पर जाती हूँ तो डीओपी से लेकर एडी, लेखक और एक्शन मास्टर तक हर जगह महिलाएं हैं। मैं सोच भी नहीं सकती थी कि वह इस क्षेत्र में होंगी, जो आश्चर्यजनक है।

महिलाएं बन रही निर्माता
अभिनेत्री ने धीरे-धीरे हुए इस बदलाव की सराहना की और कहा कि महिलाएं अब अलग-अलग तरह की भूमिकाएं निभाने लगी हैं और अब वह फिल्मों का निर्माण भी कर रही हैं। अभिनेत्री ने कहा, हम महिलाओं को एक्शन भूमिकाओं में भी देख रहे हैं, जो आश्चर्यजनक है। जैसे गुलाब गैंग में मैंने एक्शन भूमिका निभाई थी और वह फिल्म महिला-केंद्रित थी, लेकिन हमें ज्यादा व्यावसायिक फिल्में बनाने की जरूरत है, जो महिला-केंद्रित हों, यह धीरे-धीरे होगा। बहुत सी

महिला अभिनेता निर्माता बन रही हैं, अगर वह अपनी तरह की फिल्में बनाना चाहती हैं, जो आश्चर्यजनक है और उन्हें और पॉवर मिलनी चाहिए।

अलग भूमिकाओं की तलाश में माधुरी दीक्षित

माधुरी दीक्षित को हाल ही में भूल भुलैया 3 में देखा गया, जिसमें कार्तिक आर्यन, तुमी डिमरी और विद्या बालन भी मुख्य भूमिकाओं में हैं। अनिस बच्ची द्वारा निर्देशित यह फिल्म भूल भुलैया फ्रेंचाइजी की तीसरी किस्त है और 1 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई। अभिनेत्री ने यह भी कहा कि वह अलग-अलग तरह की रोमांचक भूमिकाओं की तलाश में हैं।



फिल्म इंडस्ट्री में आउटसाइडर को काम मिलना मुश्किल है

कृति सेनन ने हाल ही में फिल्म इंडस्ट्री में नेपोटिज्म को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने कहा- आउटसाइडर को इंडस्ट्री में मौके मिलना काफी मुश्किल होता है। इस दौरान एक्ट्रेस ने नेपोटिज्म के लिए फिल्म इंडस्ट्री को नहीं, बल्कि बाहरी लोगों को जिम्मेदार बताया। कृति सेनन गोवा में 55वें इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में एक मास्टरक्लास में शामिल हुई थीं। इस दौरान उन्होंने कहा कि नेपोटिज्म के लिए फिल्म इंडस्ट्री उतनी जिम्मेदार नहीं है, जितने जिम्मेदार मीडिया और ऑडियंस हैं। मीडिया स्टार किड्स के बारे में जो भी दिखाती है उसे ऑडियंस बड़ी दिलचस्पी से देखते हैं, जिससे फिल्म इंडस्ट्री के लोगों को लगने लगता है कि ऑडियंस की दिलचस्पी स्टार किड्स में ज्यादा है तो उनके साथ फिल्म करना ज्यादा सही रहेगा। मुझे लगता है कि ये एक सर्कल है। कृति सेनन ने कहा कि अगर आपके अंदर टैलेंट है तो आप कुछ भी कर सकते हो। अगर आप टैलेंटेड नहीं हैं और ऑडियंस से कनेक्ट नहीं कर पा रहे हैं तो आप कुछ नहीं कर सकते।

फिल्मी बैकग्राउंड नहीं होने से होती हैं मुश्किल

कृति सेनन ने आगे कहा- जब आप फिल्म इंडस्ट्री के बैकग्राउंड से नहीं होते तो काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। हर चीज में थोड़ा स्ट्रगल है। हालांकि, अगर अच्छे से मेहनत करते हैं तो सबसेस मिल जाती है।

2014 में किया बॉलीवुड में डेब्यू

कृति सेनन हाल ही में दो पती में नजर आई थीं। फिल्म में उनके साथ शहीर शेख और काजोल भी अहम भूमिका में थे। बता दें, कृति सेनन ने साल 2014 में फिल्म हीरोपंती से बॉलीवुड में डेब्यू किया था।



बॉलीवुड वाइल्स की जिंदगी दिखाएंगे मधुर भंडारकर

मशहूर बॉलीवुड निर्देशक मधुर भंडारकर अपनी खास तरह की फिल्मों के लिए जाने जाते हैं। वह अक्सर वास्तविक जीवन की घटनाओं से प्रेरित हो कर फिल्में बनाते हैं, जो लोगों को काफी कठोर महसूस होती हैं। फैशन, हीरोइन और पेज 3 जैसी कई अन्य फिल्मों के लिए लोकप्रिय मधुर ने हाल में ही आगामी फिल्म को लेकर बात की है। उन्होंने बताया कि उनकी अगली फिल्म वाइल्स ऑफ बॉलीवुड है, जो बॉलीवुड की पत्नियों की असल जिंदगी के बारे में है। इस बातचीत के दौरान निर्देशक ने कहा कि ये फिल्म मनोरंजन जगत के लोगों के जीवन के इर्द-गिर्द घूमती है। इस दौरान अपनी फिल्मों से जुड़ी दर्शकों की उम्मीदों को लेकर कहा, मेरे दर्शकों को मुझसे विशेष उम्मीदें हैं। वे अच्छी तरह से जानते हैं कि अगर मैं किसी फिल्म पर काम कर रहा हूँ, तो मैं अपनी फिल्म के जरिए किसी खास विषय पर खुलासा करूंगा। इसके अलावा जब भी मैं लोगों से बात करते हुए देखा जाता हूँ, तो वे मान लेते हैं कि मैं अपनी रिसर्च कर रहा हूँ, क्योंकि मैं शायद उस विषय पर फिल्म बना रहा हूँ।

बॉलीवुड की पत्नियों की जिंदगी दिखाएंगी फिल्म

निर्देशक ने आगे कहा कि जब भी वो किसी विषय पर फिल्म बनाने का फैसला करते हैं, तो उससे संबंधित हर छोटे-बड़े विवरणों में जाते हैं। उन्होंने कहा, इस बार, मेरी अगली फिल्म बॉलीवुड की पत्नियों की असल जिंदगी के बारे में है। मैंने अपनी अगली फिल्म का नाम वाइल्स ऑफ बॉलीवुड रखने का फैसला किया है। यह नाम मेरे पास काफी समय से है। उन्होंने कहा कि उन्हें हमेशा से इस विषय से लगाव रहा है और उन्हें लगता है कि यह उनके दर्शकों के लिए भी दिलचस्प होगा। एक मेगा-सुपरस्टार की पत्नी होना इतना आसान नहीं है, इसमें कई सारे परते होती हैं। दर्शकों को इससे उनके बारे में बहुत कुछ जानने को मिलेगा।

फिल्म इंडस्ट्री से समर्थन की उम्मीद

मधुर भंडारकर ने आगे बताया कि उनके पास इसकी एक मेरिशन स्क्रिप्ट है। वह इसमें कई बार बदलाव कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि ये फिल्म निश्चित रूप से दर्शकों के लिए आखे खोलने वाली होगी। हालांकि, वह इसे लेकर संदेह में हैं कि फिल्म इंडस्ट्री इस विषय पर कैसी प्रतिक्रिया देगी, क्योंकि यह बहुत गंभीर और कठोर फिल्म होगी। निर्देशक ने कहा, मैंने बहुत सारी वास्तविक बॉलीवुड पत्नियों से प्रेरणा ली है और उसमें कल्पना को जोड़ा है। यह सुनिश्चित भी किया है कि यह वास्तविकता के करीब रहे। निर्देशक ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि जिस तरह से उनकी फैशन, पेज 3 और कॉपीराइट जैसी अन्य फिल्मों को इंडस्ट्री के लोगों ने सराहा था, उसी तरह वे वाइल्स ऑफ बॉलीवुड की भी सराहना करेंगे।

एलिस कौशिक ने अपने रिश्ते पर की खुलकर बात

टीवी शो बिग बॉस 18 से एलिस कौशिक के एलिमिनेशन के बाद उन्होंने खुलकर अपने अनुभव साझा किए और बताया कि उन्हें पहले से ही यह एहसास था कि वह घर से बाहर होने वाली हैं। मीडिया से बातचीत करते हुए एलिस ने कहा, मुझे जब भी ऐसी कोई फीलिंग आती है तो वह सही होती है। इस बार भी मैंने खुद के साथ ऐसा महसूस किया था, इसलिए मैंने अपना नाम लिया था। बिग बॉस 18 में एलिस की लव लाइफ भी काफी सुर्खियों में रही थी। बातचीत में अपनी लव लाइफ पर पूछे गए सवाल के जवाब में एलिस ने कहा, मुझे अपने रिश्ते पर पूरा विश्वास है, इसलिए मुझे बाहर आने के बाद इस पर किसी प्रकार की स्पष्टता की आवश्यकता नहीं थी। उस समय जो छोटी सी बात इंटरव्यू में निकाली गई थी, वह मुझे भावुक कर गई थी, लेकिन अगले दिन से मैंने इसका जिक्र तक नहीं किया, क्योंकि मुझे अपने रिश्ते पर पूरा यकीन है। एलिस ने पैनिंग अटैक पर भी अपनी बात रखी। अविनाश के एलिमिनेशन के बाद आए पैनिंग अटैक पर एलिस ने कहा, यह बहुत दुख की बात है कि इसका मजाक उड़ाया गया। मैं दुनिया में अकेली नहीं हूँ जिसके साथ ऐसा होता है। मुझे जब पैनिंग अटैक आता है तो मैं कांपने लगती हूँ।



बीफ न्यूज

साक्षी, कल्पना को ग्रीन एवं संजय को येलो बेल्ट



भोपाल। एलेट स्पोर्ट्स अकादमी के तत्वाधान में भोपाल में आयोजित 21वें आउटडोर शिविर एवं बेल्ट प्रोडिग एजाम में इंदौर के बुनसन स्कूल की साक्षी लोधी एवं सरस्वती विद्या निकेतन की कल्पना साहू ने बेल्ट प्रोडिग एजाम उत्तीर्ण कर ग्रीन बेल्ट एवं संजय साहू ने येलो बेल्ट हासिल किया। खिलाड़ियों को अमय लक्ष्मी ने बेल्ट प्रदान किए एवं उज्ज्वल भविष्य का आशीर्वाद दिया।

अर्जुन तेंदुलकर धक्का देने वाले पर भड़के

मुम्बई। आम तौर पर शांत रहने वाले अर्जुन तेंदुलकर उस समय भड़क गये जब एक व्यक्ति ने उन्हें धक्का दे दिया। इसका एक विडियो भी सोशल मीडिया में आया है। इसमें अर्जुन धक्का देने वाले को करार जवाब देते हैं। ये मामला किसी रेस्टोरेंट का है। दर असल इंडियन प्रीमियर लीग 2025 की मेगा ऑक्शन के पहले राउंड में अर्जुन को किसी भी टीम की तरफ से नहीं खरीदा गया था। वहीं दूसरे राउंड में जब उनका नाम आया तो मुंबई इंडियंस ने 30 लाख के बेस प्राइस पर उनको अपनी टीम के साथ जोड़ा। उनकी पिता सचिन तेंदुलकर मुंबई टीम के मेंटोर हैं और उनको पिछले चार सत्र से इसी टीम ने खरीदा है। ऐसे में एक बार फिर से उनके मुंबई इंडियंस में शामिल किए जाने पर उन्हें सोशल मीडिया पर ट्रेल किया जा रहा है। अर्जुन का जो वीडियो वायरल हो रहा है। उसमें वह कुछ लोगों के बीच नजर आते हैं। वह किसी रेस्टोरेंट के अंदर जाते नजर आ रहे हैं। जब वो कतार में लाकर अंदर जा रहे होते हैं तो उनके पीछे चल रहा शख्स धक्का देता है जिसे लेकर वो कहते हैं तुम मुझे धक्का क्यों दे रहे हो हालांकि मामला ज्यादा आगे नहीं बढ़ा।

रितिका ने नवजात बेटे का नाम सोशल मीडिया के जरिये प्रशंसकों को बताया

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा की पत्नी रितिका सजदेह ने अपने नवजात बेटे का नाम सोशल मीडिया के जरिये प्रशंसकों को बताया है। रितिका ने सोशल मीडिया पर एक बेहद खूबसूरत तस्वीर साझा की है। इसमें उनका पूरा परिवार नजर आ रहा है। इसमें सभी के आगे उन्होंने उसका नाम लिखा है। इसी में रोहित, रितिका और समायारा के अलावा एक के आगे अहान लिखा है। इससे साफ हो गया है उनके बेटे का नाम अहान है। रोहित और रितिका के इस बेटे का जन्म गत माह 15 नवंबर को हुआ था। यह उनका दूसरा बच्चा है। रोहित इस समय ऑस्ट्रेलिया दौरे पर हैं। वहीं दूसरे बच्चे के जन्म के कारण वह पहले टेस्ट में टीम से बाहर थे। रोहित भारत और प्रधानमंत्री एकादश मुकाबले में मध्यक्रम में उतरकर केवल तीन रन ही बना पाये। इससे साफ हो गया है कि एंड्रयूड टेस्ट में हिटमैन चौथे या पांचवें नंबर पर ही उतर सकते हैं। अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली के उनके तय क्रम पर ही उतरने की संभावनाएं हैं।



बीजिंग में आईएसए स्केटिंग में भा लेते हुए खिलाड़ी।

एशिया कप के दूसरे मैच में भी बड़ी पारी नहीं खेल पाये वैभव

शारजाह। आईपीएल टीम में शामिल 13 साल के वैभव सूर्यवंशी एशिया कप के दूसरे मैच में अच्छी शुरुआत के बाद भी बड़ी पारी नहीं खेल पाये। वैभव पाकिस्तान के खिलाफ पहले मैच में 1 रन ही बना पाये थे पर जापान के खिलाफ इस बल्लेबाज ने 22 रन बनाये। आईपीएल मेगा नीलामी में वैभव को राजस्थान रॉयल्स ने 1 करोड़ 10 लाख रुपये देकर अपनी टीम से जोड़ा है। वैभव को घरेलू क्रिकेट में जबरदस्त प्रदर्शन के बाद ही अंडर 19 टीम में जगह दी गई थी। इस क्रिकेटर से यहां भी अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद थी पर एशिया कप के पहले दो मैच में ही उन्होंने निराश किया। पाकिस्तान के खिलाफ पारी की शुरुआत करते हुए वैभव ने 9 गेंद में केवल एक रन बनाया। वहीं जापान के खिलाफ एशिया कप के अपने दूसरे मुकाबले में वैभव ने शुरुआत तो अच्छी की पर वह उसे बरकरार नहीं रख पाये। इस किशोर ने अपनी पारी में 23 गेंदों पर 3 चौके और 1 छक्का लगाकर 23 रन बनाए।

दूसरे टेस्ट में भी यशस्वी और राहुल के ही पारी शुरु करने की संभावना

मध्यक्रम में उतर सकते हैं रोहित

एजेंसी ■ एडीतेड

भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा टेस्ट अब छह दिवस से यहां शुरु होने वाले बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के दूसरे टेस्ट से टीम की कप्तान संभालेंगे। यहां टेस्ट मैच दिन-रात का होने के कारण गुलाबी गेंद से खेला जाएगा।

रोहित दूसरी बार पिता बनने के कारण पहले टेस्ट मैच से बाहर थे। रोहित के नहीं होने पर पहले टेस्ट में यशस्वी जायसवाल के साथ केएल राहुल ने पारी की शुरुआत करते हुए काफी अच्छा प्रदर्शन किया था। ऐसे में माना जा रहा है कि गुलाबी गेंद से होने वाले दूसरे टेस्ट में भी यही जोड़ी पारी की शुरुआत करेगी और रोहित मध्यक्रम में उतरेंगे। पहले मैच में यशस्वी जायसवाल के साथ केएल राहुल ने पारी की शुरुआत करते हुए। दूसरी पारी में 200 रन से ऊपर की साझेदारी कर नया रिकार्ड बनाया था। इसके अलावा प्रधानमंत्री एकादश के खिलाफ भी इसी जोड़ी ने पारी की शुरुआत की थी। उससे ये संकेत मिलते



हैं कि अब दूसरे टेस्ट में भी यही जोड़ी उतरेगी और रोहित मध्यक्रम में खेलेंगे। रोहित का प्रदर्शन पिछले कुछ समय से अच्छा नहीं रहा है और ऐसे में वह भी नहीं चाहेंगे कि टीम की शुरुआत खराब हो। इसी कारण वह रोहित ने प्रधानमंत्री एकादश के खिलाफ मुकाबले में राहुल को ही शुरुआत के लिए भेजा था। इससे प्रशंसकों ने अंदाज लगाया शुरू कर दिया कि टीम दूसरे टेस्ट में भी इसी

बल्लेबाजी क्रम के साथ खेलने उतरेगी। अच्छी लय हासिल कर चुकी यशस्वी और राहुल की जोड़ी में अब बदलाव की संभावना को वह नहीं देखते। वहीं इससे पहले अनुभवी बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा ने भी कहा कि दूसरे टेस्ट में भी यशस्वी और राहुल ही पारी की शुरुआत करें और रोहित मध्यक्रम पर उतरें। साथ ही कहा था कि सलामी जोड़ी में बदलाव से नुकसान हो सकता है।

दूसरे टेस्ट में टीम इंडिया दो बदलावों के साथ उतरेगी

भारतीय टीम 6 दिसंबर से मेजबान ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर गावस्कर सीरीज का दूसरा टेस्ट मैच खेलेगी। इस मैच में भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा और युवा बल्लेबाज शुभमन गिल भी टीम से जुड़ जाएंगे। ऐसे में टीम में दो बदलाव होने तय हैं। रोहित दूसरे बच्चे के जन्म के कारण पहले टेस्ट से बाहर थे। पहले मैच में केएल राहुल और यशस्वी जायसवाल ने पारी की शुरुआत की थी। अब देखना है कि राहुल इस मैच में भी पारी की शुरुआत करते हैं या वे किसी अन्य क्रम पर उतरेंगे। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में शुभमन भी चोटिल होने के कारण नहीं खेल पाये थे पर अब वह फिट हैं और वापसी के लिए तैयार हैं। प्रधानमंत्री एकादश के खिलाफ अभ्यास मैच में अर्धशतक लगाकर उन्होंने अपनी फिटनेस साबित की है। रोहित और शुभमन की वापसी से तय है कि भारतीय टीम दिन-रात के इस मैच में बदलावों के साथ उतरेगी। ऐसे में सवाल उठता है कि किन दो खिलाड़ियों को बाहर होना पड़ेगा। तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे देवदत्त पडिक्कल को शुभमन गिल की जगह पर्य में अवसर दिया गया था पर वह रन बनाने में असफल रहे। इसलिए उनका बाहर होना तय है। कप्तान रोहित शर्मा के ओन से ध्रुव चुरल को जगह बाहर बैठना होगा। कप्तान रोहित शर्मा के इस मैच में पारी की शुरुआत करने की उम्मीद नहीं है। माना जा रहा है कि पहले टेस्ट में शुरुआत करने वाले यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल की जोड़ी ही इस मैच में भी उतरेगी। ऐसे में कप्तान स्वयं मध्यक्रम में बल्लेबाजी करते नजर आ सकते हैं।

पाक टीम भविष्य में भारतीय टीम को उसके घर में ही हराये : शोएब

भारत का दौरा नहीं करने का बयान सही नहीं

एजेंसी ■ लाहौर

पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर ने आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी आयोजन को लेकर हुआ विवाद थमने पर राहत जतायी है। पाक क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के भारतीय टीम के मैच किसी अन्य जगह पर आयोजित करने पर सहमत होने के बाद इस टूर्नामेंट पर लेकर संशय समाप्त हो गया। इस पूर्व तेज गेंदबाज ने राजस्व में अधिक हिस्सेदारी की मांग करने के पीसीबी के रुख को सही बताया है। उनका कहना है कि अब टूर्नामेंट हाइब्रिड मॉडल में आयोजित किया जा रहा है, इसलिए पीसीबी को होने वाले नुकसान की भरपाई के लिए अधिक राजस्व मिलना ही चाहिये। इस पूर्व क्रिकेटर ने हालांकि पीसीबी के भविष्य में भारत का दौरा नहीं



करने के बयान को गलत बताया है। उन्होंने पीसीबी को भविष्य के आईसीसी आयोजनों के लिए टीम को भारत भेजना चाहिए। लेकिन उन्हें अपनी टीम को इतना बेहतर बनाना बनाना चाहिए कि वह भारत को उसके अपने घर में हरा सके। उन्होंने कहा, भविष्य में भारत में खेलने के मामले में, हमें दोस्ती का हाथ बढ़ाना चाहिए और वहां जाना चाहिए। मेरा हमेशा से मानना रहा है कि भारत जाओ और उन्हें वहां हराओ। चैंपियंस ट्रॉफी के हाइब्रिड मॉडल के कारण अब भारत के मैच दुबई में खेले जाएंगे। वहीं अगर भारतीय टीम सेमीफाइनल और फाइनल में पहुंचती है तो भी ये मैच दुबई में होंगे। अगर ऐसा नहीं होता तो ये मैच पाक में ही होंगे।

भविष्य को देखते हुए वाशिंगटन सुंदर को तैयार कर रहा टीम प्रबंधन : हरभजन

मुंबई। दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह ने कहा है कि टीम प्रबंधन अब भविष्य को देखते हुए स्पिन ऑलराउंडर के तौर पर वाशिंगटन सुंदर को तैयार करे। युवा वाशिंगटन सुंदर कोच को गौतम गंभीर भी पसंद करते हैं। हरभजन के अनुसार अभी तक आर अश्विन ने भारतीय टीम की ओर से शानदार प्रदर्शन किया है पर अब आने वाले समय को देखते हुए उनका विकल्प तैयार रखा होगा। अश्विन ने अपने करियर में भारत के लिए खेलेते हुए शानदार प्रदर्शन किया है प अब उनकी उम्र बढ़ती जा रही है। हरभजन ने कहा कि अब अश्विन 38 साल है इसलिए टीम प्रबंधन वाशिंगटन सुंदर को अवसर दे रहा है क्योंकि जब भी अश्विन संन्यास लेंगे तो वह उनके साथ होगा। टीम को लगता है कि उन्हें वाशिंगटन को तैयार करना है इसलिए मुझे लगता है कि वे उसी राह पर काम कर रहे हैं।

भारतीय टीम अभी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 6 दिसंबर से शुरु होने वाले दिन-रात के दूसरे टेस्ट की तैयारी कर रही है। भारतीय टीम अपनी इसमें अपनी अंतिम 11 को लेकर संशय में है। टीम के नियमित कप्तान रोहित शर्मा वापस टीम से जुड़ चुके हैं। वहीं शुभमन गिल भी अंगुठे की चोट से उभरने के बाद वापसी कर रहे हैं। ऐसे में पहले टेस्ट को विजेता टीम से दो लोगों को बाहर रखना होगा।

दूसरी सबसे बड़ी लीग बनती जा रही एसए20 : स्मिथ

एजेंसी ■ मुंबई

पूर्व क्रिकेटर ग्रीम स्मिथ ने कहा है कि दक्षिण अफ्रीकी अफ्रीकी क्रिकेट लीग एसए20 इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के बाद दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी लीग बनने की राह पर है। स्मिथ एसए20 लीग के आयुक्त हैं और उनका लीग को इस स्तर तक आने में विशेष योगदान रहा है। एसए20 का आयोजन पहले दो सत्र में अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम के साथ ही किया गया था पर इस बार यह लीग नए साल में होने वाले टेस्ट मैच के बाद खेली जाएगी। दक्षिण अफ्रीका की राष्ट्रीय टीम में शामिल खिलाड़ी भी इसमें भाग ले सकें। प्रतियोगिता के तीसरे सत्र में भारत के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक भी इसमें खेलेंगे। वह इस लीग में इसमें खेलने वाले पहले भारतीय क्रिकेटर बनेंगे।



स्मिथ ने कहा, "यह कहना सही नहीं लगता कि आप दुनिया की दूसरे नंबर की लीग बनना चाहते हैं पर सच्चाई यही है कि आईपीएल का कोई जवाब नहीं है। वह अविश्वसनीय टूर्नामेंट है जिसने क्रिकेट को बदल कर रख दिया" उन्होंने कहा, "हम भाग्यशाली हैं कि हमने आईपीएल को छह फ्रेंचाइजी को अपनी तरफ आकर्षित किया है। हमने एसए20 को आगे बढ़ाने के लिए बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट बोर्ड) के साथ मिलकर काम किया। हमें उनसे काफी कुछ सीखने को

मिला।" कार्तिक इस टूर्नामेंट में पारल रॉयल्स के लिए खेलेंगे। वह लीग के भारत के दूर भी हैं। उन्होंने कहा कि इस साल की शुरुआत में सभी प्रारूपों से संन्यास लेने के बाद एसए20 सबसे अच्छी प्रतियोगिता थी जिसमें वह भाग ले सकते थे। कार्तिक ने कहा, "जब मैंने आईपीएल के बाद संन्यास लेने की घोषणा की तो तब भी मैं क्रिकेट खेलना जारी रखना चाहता था। मैं सोच रहा था कि मेरे लिए विकल्प है और इसका पता कैसे करना है क्योंकि मैं कभी किसी अन्य लीग का हिस्सा नहीं रहा।" उन्होंने कहा, "मैंने उन खिलाड़ियों से पूछा जो अन्य लीग का हिस्सा रहे हैं और एक बात जो सर्वसम्मति से सामने आई, वह यह थी कि एसए20 अभी आईपीएल के बाद सबसे बेहतर टूर्नामेंट है।

विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल

भारत, ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका और श्रीलंका हैं प्रबल दावेदार

एजेंसी ■ नई दिल्ली

विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल के लिए भारत, ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका और श्रीलंका को प्रबल दावेदार माना जा रहा है। यहां तक कि यहां तक कि न्यूजीलैंड की टीम इंग्लैंड से हारकर भी फाइनल की रेस से पूरी तक बाहर नहीं हुई है। दौड़ में बने रहने उसे अपने बाकी बचे दो मैच चाहिये होगा कि ऑस्ट्रेलिया की टीम श्रीलंका से सीरीज ना जीते। भारतीय टीम अगर ऑस्ट्रेलिया से 3-2 या 2-1 से जीती तो दूसरी टीमों के प्रदर्शन से उसका फाइनल में पहुंचना तय होगा।

अपनी घरेलू धरती पर पाकिस्तान और श्रीलंका को कई बार हराया है। भारतीय टीम अगर ऑस्ट्रेलिया को 4-0 या 4-1 से सीरीज में हराए तो उसका फाइनल खेलना तय है। वहीं अगर भारत अगर 3-2 से सीरीज जीते तो उसके 58.77 अंक रहेंगे। ऐसा होने पर उसे चाहिये होगा कि ऑस्ट्रेलिया की टीम श्रीलंका से सीरीज ना जीते। भारतीय टीम अगर ऑस्ट्रेलिया से 3-2 या 2-1 से जीती तो दूसरी टीमों के प्रदर्शन से उसका फाइनल में पहुंचना तय होगा।

वहीं यदि ऑस्ट्रेलिया की टीम यदि भारत को 3-1, 4-1 सर 4-0 से हराए और फिर श्रीलंका से भी सीरीज जीते तो फाइनल में पहुंचेगी। यदि ऑस्ट्रेलिया की टीम भारत से 2-1 से जीते और फिर



श्रीलंका को 2-0 से हराए तो भी फाइनल में पहुंच सकती है। इसके अलावा अगर ऑस्ट्रेलिया की टीम भारत से सीरीज हार जाए और उसके बाद श्रीलंका को 2-0 से हराए तो तो भी वह फाइनल में पहुंच

जाएगी। दक्षिण अफ्रीका के डब्ल्यूटीसी फाइनल खेलने की संभावना सबसे अधिक है। उसके डब्ल्यूटीसी पॉइंट टेबल में 59.26 अंक (परसेंट) हैं। उसे अभी 3 मैच और खेलने हैं। उसके तीनों ही मैच घर

मोहम्मद शमी की शानदार गेंदबाजी से बांगाल जीता

एजेंसी ■ राजकोट

बांगाल ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी टी20 टूर्नामेंट के ग्रुप ए मैच में मेघालय को छह विकेट से हरा दिया। बांगाल की जीत में अनुभवी तेज गेंदबाजी मो शमी की गेंदबाजी की अहम भूमिका रही। शमी ने चार ओवर में केवल 16 रन दिए जिससे मेघालय की टीम छह विकेट पर 127 रन ही बना पायी। बांगाल ने सलामी बल्लेबाजों अभिषेक पोरेल के अर्धशतक 61 और करण लाल के भी चतुर्थ शतक 42 के बीच हुई पहले विकेट की 80 रन की साझेदारी की सहायता से चार विकेट पर 128 रन बना लिये। मेघालय की ओर से एरियन संगमा ने 37 और लैरी संगमा ने 38 रन बनाये। वहीं अन्य बल्लेबाज सस्ते

में आउट हो गये। वहीं एक अन्य मुकाबले में नमन धीर की अच्छी गेंदबाजी से पंजाब ने हैदराबाद को 7 रनों से हरा दिया। नमन ने 19 रन देकर 5 विकेट लिए। एक अन्य मुकाबले में झारखंड ने हरियाणा को एक विकेट से हरा दिया। हरियाणा की ओर से सुमित कुमार ने 25 रन देकर तीन विकेट जबकि हर्षल पटेल ने 16 रन पर 2 विकेट लिए। युजवेंद्र चहल ने 13 रन पर एक विकेट लिया। इसके अलावा पुटल बी मैच में गुजरात ने अक्षर पटेल के 19 रन पर 2 विकेट और रवि बिश्नोई ने 16 रन पर एक विकेट की धारदार गेंदबाजी से सिक्किम को तीन ओवर पहले ही छह विकेट से हरा दिया।

